3 खिलौनेवाला

वह देखो माँ आज
खिलौनेवाला फिर से आया है।
कई तरह के सुंदर-सुंदर
नए खिलौने लाया है।
हरा-हरा तोता पिंजड़े में
गेंद एक पैसे वाली
छोटी-सी मोटर गाड़ी है
सर-सर-सर चलने वाली।
सीटी भी है कई तरह की
कई तरह के सुंदर खेल
चाभी भर देने से भक-भक
करती चलने वाली रेल।
गुड़िया भी है बहुत भली-सी
पहिने कानों में बाली
छोटा-सा 'टी सेट' है
छोटे-छोटे हैं लोटा-थाली।
छोटे-छोटे धनुष-बाण हैं
हैं छोटी-छोटी तलवार
नए खिलौने ले लो भैया
ज़ोर-ज़ोर वह रहा पुकार।
मुन्नू ने गुड़िया ले ली है
मोहन ने मोटर गाड़ी
मचल-मचल सरला कहती है
माँ से लेने को साड़ी
कभी खिलौनेवाला भी माँ
क्या साड़ी ले आता है।
साड़ी तो वह कपड़े वाला
कभी-कभी दे जाता है
अम्मा तुमने तो लाकर के

मुझे दे दिए पैसे चार
कौन खिलौना लेता हूँ मैं
तुम भी मन में करो विचार।
तुम सोचोगी मैं ले लूँगा।
तोता, बिल्ली, मोटर, रेल
पर माँ, यह मैं कभी न लूँगा
ये तो हैं बच्चों के खेल।
मैं तलवार खरीदूँगा माँ
या मैं लूँगा तीर-कमान
जंगल में जा, किसी ताड़का
को मारूँगा राम समान।
तपसी यज्ञ करेंगे, असुरों–
को मैं मार भगाऊँगा
यों ही कुछ दिन करते-करते
रामचंद्र बन जाऊँगा।
यहीं रहूँगा कौशल्या मैं
तुमको यहीं बनाऊँगा।
तुम कह दोगी वन जाने को
हँसते-हँसते जाऊँगा।
पर माँ, बिना तुम्हारे वन में
मैं कैसे रह पाऊँगा।
दिन भर घूमूँगा जंगल में
लौट कहाँ पर आऊँगा।
किससे लूँगा पैसे, रूठूँगा
तो कौन मना लेगा
कौन प्यार से बिठा गोद में
मनचाही चीज़ें देगा।

सुभद्रा कुमारी चौहान

कविता और तुम

1. तुम्हें किसी-न-किसी बात पर रूठने के मौके तो मिलते ही होंगे—
   (क) अक्सर तुम किस तरह की बातों पर रूठती हो?
   (ख) माँ के अलावा घर में और कौन-कौन हैं जो तुम्हें मनाते हैं?
2. हम ऐसे कई त्योहार मनाते हैं जो बुराई पर अच्छाई की जीत पर बल देते हैं। ऐसे त्योहारों के बारे में और उनसे जुड़ी कहानियों के बारे में पता करके कक्षा में सुनाओ।
3. तुमने रामलीला के ज़रिए या फिर किसी कहानी के ज़रिए रामचंद्र के बारे में जाना-समझा होगा। तुम्हें उनकी कौन-सी बातें अच्छी लगीं?
4. नीचे दिए गए भाव कविता की जिन पंक्तियों में आए हैं, उन्हें छाँटो—
   (क) खिलौनेवाला साड़ी नहीं बेचता है।
   (ख) खिलौनेवाला बच्चों को खिलौने लेने के लिए आवाज़ें लगा रहा है।
   (ग) मुझे कौन-सा खिलौना लेना चाहिए—उसमें माँ की सलाह चाहिए।
   (घ) माँ के बिना कौन मनाएगा और कौन गोद में बिठाएगा।
5. 'मूँगफली ले लो मूँगफली!
   गरम करारी टाइम पास मूँगफली!'
   तुमने फेरीवालों को ऐसी आवाज़ें लगाते ज़रूर सुना होगा। तुम्हारे गली-मोहल्ले में ऐसे कौन-से फेरीवाले आते हैं और वे किस ढंग से आवाज़ लगाते हैं? उनका अभिनय करके दिखाओ। वे क्या बोलते हैं, उसका भी एक संग्रह तैयार करो।

खेल-खिलौने

1. (क) तुम यहाँ लिखे खिलौनों में से किसे लेना पसंद करोगी। क्यों?

गेंद	हवाई जहाज़	मोटरगाड़ी
रेलगाड़ी	फिरकी	गुड़िया
बर्तन सेट	धनुष-बाण	बल्ला या कुछ और

(ख) तुम अपने साथियों के साथ कौन-कौन से खेल खेलती हो?

2. **खिलौनेवाला** शब्द संज्ञा में 'वाला' जोड़ने से बना है। नीचे लिखे वाक्यों में रेखांकित हिस्सों को ध्यान से देखो और संज्ञा, क्रिया आदि पहचानो।

- पानवाले की दुकान आज बंद है।
- मेरी दिल्लीवाली मौसी बस कंडक्टर हैं।
- महमूद पाँच बजे वाली बस से आएगा।
- नंदू को बोलने वाली गुड़िया चाहिए।
- दाढ़ीवाला आदमी कहाँ है?
- इस सामान को ऊपर वाले कमरे में रख दो।
- मैं रात वाली गाड़ी से जम्मू जाऊँगी।

तुम्हारी रामलीला

- क्या तुमने रामलीला देखी है? रामलीला की किसी एक लघु-कहानी को चुनकर कक्षा में अपनी रामलीला प्रस्तुत करो।

कविता में कथा

इस कविता में तीन नाम–

राम, कौशल्या और ताड़का आए हैं।

(क) ये तीनों नाम किस प्रसिद्ध कथा के पात्र हैं?

(ख) *यहीं रहूँगा कौशल्या मैं तुमको यहीं बनाऊँगा।*
इन पंक्तियों का कथा से क्या संबंध है?

(ग) इस कथा के कुछ संदर्भों की बात कविता में हुई है। अपने आस-पास पूछकर इनका पता लगाओ।

- तपसी यज्ञ करेंगे, असुरों को मैं मार भगाऊँगा।
- तुम कह दोगी वन जाने को हँसते-हँसते जाऊँगा।

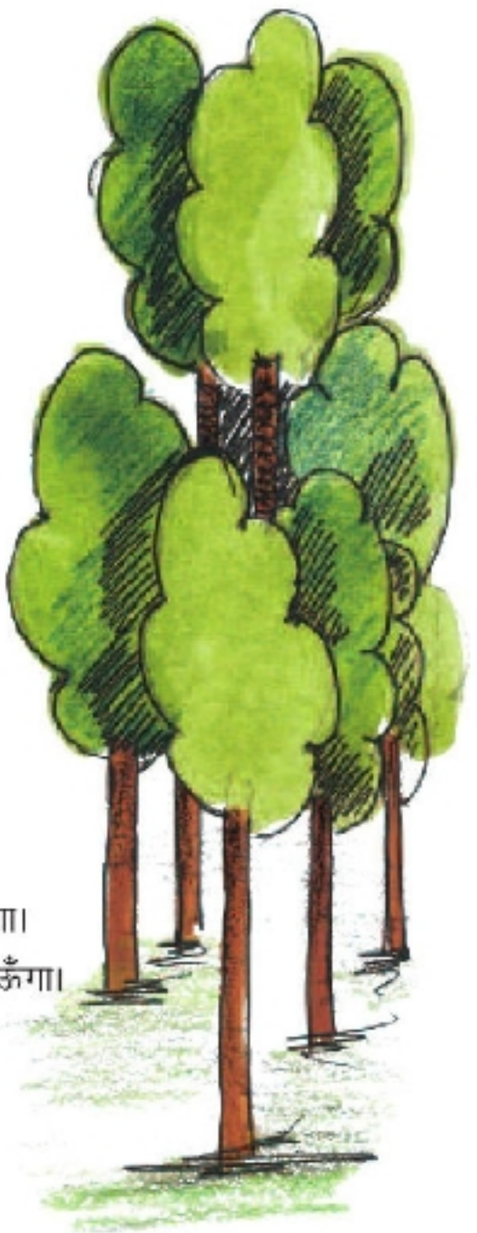

खिलौनेवाला

कविता और तुम

1. तुम्हें किसी-न-किसी बात पर रूठने के मौके तो मिलते ही होंगे–

(क) अक्सर तुम किस तरह की बातों पर रूठती हो?

(ख) माँ के अलावा घर में और कौन-कौन हैं जो तुम्हें मनाते हैं?

उत्तर (क) जब मम्मी-पापा मुझे डाँटते हैं या मेरा भाई मुझे टी.वी. नहीं देखने देता है।

(ख) माँ के अलावा घर में मेरे पिताजी और दादा जी हैं। दादाजी मुझे बहुत प्यार-दुलार देते हैं।

2. हम ऐसे कई त्योहार मनाते हैं जो बुराई पर अच्छाई की जीत पर बल देते हैं। ऐसे त्योहारों के बारे में और उनसे जुड़ी कहानियों के बारे में पता करके कक्षा में सुनाओ।

उत्तर ऐसे त्योहारों में दशहरा मुख्य है। इस दिन राम ने रावण का वध करके बुराई पर अच्छाई की जीत हासिल की। उस दिन से हर साल यह त्योहार बड़े धूमधाम से पूरे भारतवर्ष में मनाया जाता है।

3. तुमने रामलीला के जरिए या फिर किसी कहानी के जरिए रामचन्द्र के बारे में जाना-समझा होगा। तुम्हें उनकी कौन-सी बातें अच्छी लगीं?

उत्तर अपने माता-पिता के प्रति उनकी आज्ञाकारिता मुझे सबसे अच्छी लगी। इसके अतिरिक्त और भी कई गुण उनमें थे जो मुझे बहुत अच्छे लगते हैं, जैसे–उनका उच्च आदर्श, उनका त्याग, उनका धैर्य, उनकी कर्तव्यपरायणता आदि।

4. नीचे दिए गए भाव कविता की जिन पंक्तियों में आए हैं, उन्हें छाँटो–

(क) खिलौनेवाला साड़ी नहीं बेचता है।

(ख) खिलौनेवाला बच्चों को खिलौने लेने के लिए आवाज़ें लगा रहा है।

(ग) मुझे कौन-सा खिलौना लेना चाहिए–उसमें माँ की सलाह चाहिए।

(घ) माँ के बिना कौन मनाएगा और कौन गोद में बिठाएगा।

उत्तर (क) कभी खिलौनेवाला भी माँ
क्या साड़ी ले आता है।

(ख) नए खिलौने ले लो भैया
जोर-जोर वह रहा पुकार।

(ग) कौन खिलौने लेता हूँ मैं
तुम भी मन में करो विचार।

(घ) तो कौन मना लेगा

5. 'मूँगफली ले लो मूँगफली!
गरम करारी टाइम पास मूँगफली!'

तुमने फेरीवालों को ऐसी आवाज़ें लगाते ज़रूर सुना होगा। तुम्हारे गली-मोहल्ले में ऐसे कौन-से फेरीवाले आते हैं और वे किस ढंग से आवाज़ लगाते हैं? उनका अभिनय करके दिखाओ। वे क्या बोलते हैं, उसका भी एक संग्रह तैयार करो।

उत्तर
- **कबाड़ीवाला**–कबाड़ी... कबाड़ीवाला, रद्दी पेपर वाला।
- **सब्जीवाला**–दस का सवा किलो आलू ले लो, हरे-भरे मटर ले लो, प्याज ले लो...।
- **फलवाला**–इलाहाबाद का बढ़िया-मीठा अमरूद ले लो, सेब, संतरा, चिकू... ले लो।

नोट–विद्यार्थी इसमें कुछ फेरीवाले का नाम जोड़ सकते हैं। उनका अभिनय वे घर में अपने माता-पिता के सामने करें।

खेल-खिलौने

1. **(क) तुम यहाँ लिखे खिलौनों में से किसे लेना पसंद करोगी। क्यों?**

गेंद	हवाई जहाज़	मोटरगाड़ी
रेलगाड़ी	फिरकी	गुड़िया
बर्तन सेट	धनुष-बाण	बल्ला या कुछ और

उत्तर मैं रेलगाड़ी लेना पसंद करूंगी क्योंकि चलते समय इससे जो 'छुक-छुक' की आवाज निकलती है, वह मुझे बेहद अच्छा लगता है।

(ख) तुम अपने साथियों के साथ कौन-कौन से खेल खेलती हो?

उत्तर मैं अपने साथियों के साथ कबड्डी, लुका-छिपी, खो-खो, बैंडमिन्टन आदि खेल खेलती हूँ।

2. **खिलौनेवाला** शब्द संज्ञा में 'वाला' जोड़ने से बना है। नीचे लिखे वाक्यों में रेखांकित हिस्सों को ध्यान से देखो और संज्ञा, क्रिया आदि पहचानो।

- पानवाले की दुकान आज बंद है।
- मेरी दिल्लीवाली मौसी बस कंडक्टर हैं।
- महमूद पाँच बजे वाली बस से आएगा।
- नंदू को बोलने वाली गुड़िया चाहिए।
- दाढ़ीवाला आदमी कहाँ है?
- इस सामान को ऊपर वाले कमरे में रख दो।
- मैं रात वाली गाड़ी से जम्मू जाऊँगी।

उत्तर

- पान – संज्ञा
- पाँच – विशेषण
- दाढ़ी – संज्ञा
- रात – संज्ञा
- दिल्ली – संज्ञा
- बोलना – क्रिया
- ऊपर – क्रिया-विशेषण

तुम्हारी रामलीला

- **क्या तुमने रामलीला देखी है? रामलीला की किसी एक लघु-कहानी को चुनकर कक्षा में अपनी रामलीला प्रस्तुत करो।**

उत्तर स्वयं करो।

कविता में कथा

इस कविता में तीन नाम–

राम, कौशल्या और ताड़का आए हैं।

(क) **ये तीनों नाम किस प्रसिद्ध कथा के पात्र हैं?**

(ख) *यहीं रहूँगा कौशल्या मैं तुमको यहीं बनाऊँगा।*

इन पंक्तियों का कथा से क्या संबंध है?

(ग) **इस कथा के कुछ संदर्भों की बात कविता में हुई है। अपने आस-पास पूछकर इनका पता लगाओ।**

- तपसी यज्ञ करेंगे, असुरों को मैं मार भगाऊँगा।
- तुम कह दोगी वन जाने को हँसते-हँसते जाऊँगा।

उत्तर

(क) राम, कौशल्या और ताड़का–ये तीनों नाम रामायण की प्रसिद्ध कथा के पात्र हैं।

(ख) बालक स्वयं को राम और अपनी माँ को कौशल्या के रूप में देखता है। लेकिन वह राम की तरह वन जाने को तैयार नहीं है बल्कि माँ कौशल्या के पास घर में रहना चाहता है।

(ग)

- वन में तपस्या करने वाले ऋषि-मुनियों को राक्षस परेशान करते थे। उनकी शांति भंग करते थे। राम ने उन राक्षसों का वध किया जिसके बाद से वे फिर से शाँतिपूर्वक तपस्या करने लगे।
- राम ने अपने माता-पिता के आदेश पर एक आज्ञाकारी पुत्र की भाँति 14 वर्ष के लिए वन जाना स्वीकार कर लिया।

हवाई छतरी

सामान

एक रूमाल, धागे के चार टुकड़े और एक पत्थर।

बनाने का तरीका

समान लंबाई के धागे के चारों टुकड़ों को रूमाल के चारों कोनों से बाँधो। रूमाल के चारों कोनों को बीच तक मोड़ो। चारों धागों से पत्थर बाँधने के पहले यह निश्चित कर लो कि उनकी लंबाई एक समान हो। अब इसे आकाश की ओर ज़ोर से उछालो और इसके धीमे-धीमे तैरते हुए नीचे आने का मज़ा लो।

करो

रूमाल की जगह प्लास्टिक की शीट से हवाई छतरी बनाकर देखो।

जानो

क्या यह पैराशूट चंद्रमा पर, जहाँ बिल्कुल हवा नहीं होती, काम करेगा?

अगर रूमाल के बीच एक छेद हो तो क्या यह पैराशूट काम करेगा?

नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया, नयी दिल्ली द्वारा प्रकाशित पुस्तक सुंदर सलोने भारतीय खिलौने (लेखक-सुदर्शन खन्ना, अनुवाद-अरविंद गुप्ता) से साभार